कृषक आधुनिक खेती अपनाएं- चौधरी

केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री ने किया संबोधित, राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र तबीजी अजमेर में किसान मेला

प्रर्दशनी का फीता काट उद्घाटन करते केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री चौधरी।

कार्यक्रम में मौजूद लोग। पत्रिका

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अजमेर. केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि कृषक आधुनिक खेती अपनाएं एवं व्यावसायीकरण पर जोर दें। भारत सरकार किसानों के प्रति समर्पित है और स्वामीनाथन समिति की सिफारिश को लागू कर रही है। उन्होंने सैकण्डरी एग्रीकल्चर द्वारा मूल्य संवर्धन एवं कटाई उपरांत प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता भी बताई।

अजमेर में शुक्रवार को राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र तबीजी में किसान मेला-2022 के उद्घाटन समारोह में चौधरी ने यह बात कही। उन्होंने एफपीओ, ड्रोन आधारित कृषि क्रियाओं, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर द्वारा किसानों तक आर्थिक सहयोग एवं कृषि-उद्योग स्थापना के लिए 2 करोड़ के अनुदान जैसे विषयों पर अपनी बात रखी।

कार्यक्रम में सांसद भागीरथ चौधरी, पुष्कर विधायक सुरेश सिंह रावत, नसीराबाद विधायक रामस्वरूप लांबा, भाजपा शहर जिलाध्यक्ष डॉ. प्रियशील हाड़ा, देहात अध्यक्ष देवी शंकर भूतड़ा, तबीजी सरपंच राजेन्द्र गैना, सराधना सरपंच हरिकिशन आदि मौजूद रहे।

संस्थान के निदेशक, डॉ. एस.एन. सक्सेना ने बताया कि हमारा देश बीजीय मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक, उपभोक्ता एवं निर्यातक देश है। बीजीय मसाला फसलों में जीरा, धनिया, सौंफ, मेथी, अजवायन, कलौंजी, एनाइस, विलायत सौंफ, सेलरी, सुवा और स्याह जीरा प्रमुख है। वर्ष 2020-21 के आंकड़ों के अनुसार भारत में बीजीय मसालों का कुल क्षेत्रफल लगभग 2.09 मिलियन हेक्टेयर और उत्पादन लगभग 2.02 मिलियन टन है जिसमें से लगभग 0.48 मिलीयन टन (24 प्रतिशत) उत्पादन का निर्यात हुआ है जिसका मूल्य अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में लगभग 5666 करोड़ रू. है जिनमें अकेले जीरे का योगदान लगभग 4253 करोड़ रुपए का है।बीजीय मसाला फसलों में जीरा, धनिया, सौंफ, मैथी, अजवायन, कलौंजी, एनाइस, विलायत सौंफ, सेलरी, सुवा और स्याहजीरा प्रमुख है। वर्ष 2020-21 के आंकड़ों के अनुसार भारत में बीजीय मसालों का कुल क्षेत्रफल लगभग 2.09 मिलियन हेक्टेयर और उत्पादन लगभग 2.02 मिलियन टन है जिसमें से लगभग 0.48 मिलीयन टन (24 प्रतिशत) उत्पादन का निर्यात हुआ है जिसका मूल्य अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में लगभग 5666 करोड़ रुपए हैं जिनमें अकेले जीरे का योगदान लगभग 4253 करोड़ रुपए का है।

दैनिक भास्कर
अजमेर 12-03-2022

आधुनिक खेती और व्यवसायीकरण पर जोर दें किसान

बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र में किसान मेले का उद्घाटन, 1500 से ज्यादा किसान पहुंचे

अजमेर | केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने कहा है कि किसानों को अब आधुनिक खेती और उनके व्यवसायीकरण पर जोर देना चाहिए। एफपीओ, ड्रोन आधारित कृषि क्रियाओं, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर द्वारा किसानों तक आर्थिक सहयोग और कृषि-उद्योग स्थापना के लिए दिए जाने वाले दो करोड़ रुपए के अनुदान की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत सरकार किसानों के प्रति समर्पित है और स्वामी नाथन समिति की सिफारिशों को लागू कर रही है। राज्यमंत्री चौधरी राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र तबीजी में शुक्रवार को किसान मेले का उद्घाटन करने के बाद समारोह में संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर प्रदेशों के 1500 से ज्यादा महिला-पुरुष किसान मौजूद रहे। समारोह में अन्य वक्ताओं ने कहा कि कृषि को लाभकारी बनाने के लिए युवाओं को किसानी से जोड़ना जरूरी है। किसान मेले की थीम स्वच्छ एवं सुरक्षित उत्पादन- उत्तम स्वास्थ्य और अधिक आय रखा गया है। मेले में कृषि से संबंधित प्रदर्शनी लगाई गईं। कृषि मंत्री ने इस प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। संस्थान के निदेशक डॉ. एसएन सक्सेना ने संस्थान की उपलब्धियों की जानकारी दी। राजस्थान और अन्य प्रदेशों से आए किसानों को जागरूक करने के लिए अलग अलग प्रदर्शनी में फूलों की खेती, पौध नर्सरी, कुटीर गृह उद्योग, हॉइड्रोपिनिक्स, मधुमक्खी पालन और शुष्क क्षेत्र की फसलों की जानकारी दी गई।

केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने किसान मेले का उद्घाटन किया।

किसान मेले में मौजूद जनसमूह।

मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक है भारत

निदेशक डॉ. एसएन सक्सेना के मुताबिक बीजीय मसालों के मामले में भारत सबसे बड़ा उत्पादक, उपभोक्ता और निर्यातक देश हैं। जहां कई तरह के मसालें जिनमें जीरा, धनिया, सौंफ, मेथी, सोवा, अजवाइन, काली मिर्च, छोटी और बड़ी इलायची, अदरक, लहसुन, हल्दी और मिर्च आदि का उत्पादन किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ) की रिपोर्ट के मुताबिक 109 मसालों में से 63 मसालों का उत्पादन भारत में किया जाता है। बीजीय मसालों के उत्पादन और निर्यात में मिश्र, ईरान, पाकिस्तान, टर्की, ईराक, मोरक्को और इटली भारत से प्रतिस्पर्धा रखने वाले देश हैं। पिछले कुछ सालों में संस्थान ने बीजीय मसाला फसलों की कुल 23 उन्नत किस्मों का विकास किया गया है।

समारोह में यह रहे मौजूद

अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी, पुष्कर विधायक सुरेश रावत, नसीराबाद विधायक रामस्वरूप लांबा, भाजपा शहर जिलाध्यक्ष डॉ. प्रियदर्शन हाडा, पूर्व विधायक देवी शंकर भूतड़ा, तबीजी सरपंच राजेंद्र गैना, सराधना सरपंच हरिकिशन,डीएवी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एलके शर्मा सहित आसपास के क्षेत्रों से सरपंच, पंच सहित कई अन्य लोग भी शामिल हुए थे।

युवा खेती में ही अपना भविष्य बनाएं

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि कहा कि केंद्र सरकार किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें सशक्त बनाने के उद्देश्य बेहतरीन योजनाएं ला रही है।

इस मेले के जरिये किसानों तक उन्नत तकनीकी खेती की जानकारी देने के साथ ही विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सब्सिडी भी दी जा रही है। युवा अन्य रोजगार के बजाय खेती में ही अपना भविष्य बनाएं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसानों के लिए सब्सिडी पर लोन भी उपलब्ध करा रही है।

4 राज्यों में मिली जीत पर जनता का जताया आभार

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री ने चार राज्यों में भाजपा की जीत के लिए जनता के प्रति आभार जताया। केंद्र में बीजेपी की सरकार की ओर से चलाई जा रही जनकल्याणकारी और किसान उन्नत की योजनाओं का लाभ लगातार मिल रहा है। उत्तर प्रदेश के साथ ही चार राज्यों में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों की आय दोगुनी करने के साथ ही हर वर्ग का ध्यान रख रहे हैं।